शादी का नाटक करने वाली लुटेरी दुल्हन को अमानगंज पुलिस ने दबोचा

नवभारत न्यूज

पन्ना, 27 जून। पन्ना जिले के अमानगंज थाना क्षेत्र में शादी का झूठा नाटक रचकर एक युवक से दो लाख रुपये की ठगी करने का सनसनीखेज मामला सामने आया है।

अमानगंज पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए गिरोह की मुख्य सदस्य यानी लुटेरी दुल्हन को गिरफ्तार कर सलाखों के पीछे भेज दिया है, जबकि गिरोह के दो अन्य आरोपी अभी भी पुलिस की गिरफ्त से बाहर हैं। यह पूरी कार्रवाई पन्ना पुलिस अधीक्षक निवेदिता नायडू के निर्देशन तथा अमानगंज थाना प्रभारी उपनिरीक्षक रवि सिंह जादौन के नेतृत्व में की गई है।

रचा ड्रामा - धोखाधड़ी के शिकार हुए फरियादी केतार सिंह राजपूत ने अमानगंज थाने में दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि बीते 18 जून को उनके मोबाइल पर एक अज्ञात व्यक्ति का फोन आया था। फोन करने वाले ने खुद को जबलपुर का निवासी बताते हुए कहा कि वह अपने परिचित की एक महिला से केतार सिंह की शादी करवा सकता है, लेकिन इस पूरी प्रक्रिया में दो लाख बीस हजार रुपये का खर्च आएगा। केतार सिंह उसकी बातों के झांसे में आ गए और शादी के लिए हां कर दी। इसके बाद 23 जून को आरोपी ने दोबारा फोन कर केतार सिंह को अगले दिन नकद राशि लेकर पवई आने को कहा। योजना के मुताबिक 24 जून को फरियादी अपने रिश्तेदारों और दोस्तों के साथ पवई कोर्ट परिसर पहुंचे, जहां वह अज्ञात व्यक्ति दो महिलाओं के साथ मिला।

वहां परिचय होने के बाद आरोपियों ने फरियादी से दो लाख रुपये नकद ले लिए और कोर्ट परिसर में ही वकील के माध्यम से कोर्ट मैरिज संबंधी नोटरी कराई। इसके बाद सभी लोग प्रसिद्ध कलेही माता मंदिर पहुंचे, जहां फरियादी और लुटेरी दुल्हन के बीच वैवाहिक रस्में संपन्न कराई गईं।

बहन की सतर्कता से खुली पोल, जेल पहुंची लुटेरी दुल्हन

शादी की खुशियां अभी चौबीस घंटे भी नहीं मना पाई थीं कि अगले ही दिन नई नवेली दुल्हन घर से भागने की फिराक में लग गई। दुल्हन की संदिग्ध गतिविधियों को देखकर दूल्हे की बहन को शंका हुई, जिस पर उन्होंने मुस्तैदी दिखाते हुए उसे पकड़ लिया। जब उससे कड़ाई से पूछताछ की गई, तो उसने बताया कि केवल मोटी रकम कमाने के उद्देश्य से उन लोगों ने मिलकर शादी का यह झूठा नाटक रचा था। फरियादी की शिकायत पर अमानगंज पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए बीएनएस की धारा 318 (4) के तहत मामला दर्ज कर विवेचना में लिया। पुलिस टीम ने लुटेरी दुल्हन को गिरफ्तार कर न्यायालय के समक्ष पेश किया, जहां से न्यायालय के आदेश पर उसे पन्ना जिला जेल भेज दिया गया है। इस घटना पर थाना प्रभारी अमानगंज रवि सिंह जादौन सहित स्टाफकी सराहनीय भूमिका रही। फिलहाल पुलिस टीम फरार चल रहे गिरोह के अन्य दो आरोपियों की सरगर्मी से तलाश कर रही है।

मौसम की बेरुखी से चिंतित अन्नदाता,बोनी में होगी देरी

नवभारत न्यूज

पन्ना, 27 जून। मानसून की बेरुखी और भीषण गर्मी के चलते क्षेत्र के किसानों के माथे पर चिंता की लकीरें खिंच गई हैं।

सामान्य तौर पर जून के इस पखवाड़े तक खेतों में हलचल शुरू हो जाती थी और किसान खरीफ फसलों की बोनी की तैयारियों में जुट जाते थे, लेकिन इस बार बारिश न होने से पूरा गणित गड़बड़ा गया है। पर्याप्त मानसूनी बारिश के अभाव में खेतों की मिट्टी सूखी पड़ी है, जिससे खरीफकी मुख्य फसलों की बोनी में खासी देरी होने की आशंका पैदा हो गई है। क्षेत्र के किसानों का कहना है कि आसमान में हर दिन बादलों की आवाजाही तो होती है, लेकिन बिना बरसे ही बादल निकल जाते हैं। तेज धूप और उमस के कारण जमीन की नमी पूरी तरह खत्म हो चुकी है। ऐसे में सूखी जमीन पर बोनी करना सीधे तौर पर बीज और खाद की बर्बादी करना है। किसान अब सिर्फ इस उम्मीद में आसमान की ओर टकटकी लगाए बैठे हैं कि जल्द ही अच्छी बारिश हो, ताकि वे अपने खेतों की हकाई-जुताई कर खरीफ की फसलों की बोनी का काम शुरू कर सकें।

कृषि विशेषज्ञों के अनुसार, खरीफसीजन की फसलों जैसे धान, सोयाबीन, उड़द और मूंग के लिए समय पर बारिश होना बेहद जरूरी है। यदि मौसम का यही रुख कुछ दिन और रहा, तो बोनी का समय आगे खिसक जाएगा, जिसका सीधा असर फसलों के उत्पादन और उनकी गुणवत्ता पर पड़ सकता है। कृषि विभाग ने भी किसानों को सलाह दी है कि वे जल्दबाजी में सूखे खेतों में बोनी न करें, बल्कि कम से कम तीन से चार इंच की अच्छी बारिश (पर्याप्त नमी) होने के बाद ही प्रमाणित बीजों का उपयोग कर बोनी का कार्य शुरू करें।

अनुबंध,जमीन मिलने के बाद भी भूमिपूजन में अटका मेडिकल कॉलेज

नवभारत न्यूज

पन्ना, 27 जून। एक तो वैसे भी जिले को पीपीपी माडल का मेडिकल कालेज मिला है जिसमें आम नागरिक एवं मध्यम वर्ग को इलाज ही कराना मंहगा पड़ेगा क्योंकि इसका संचालन प्रायवेट कंपनी करेगी लेकिन वह भी लंबे समय से भूमिपूजन की बाट जोह रहा है।

स्वास्थ्य सुविधाओं के अभाव से जूझ रहे जिले के लोगों को उम्मीद थी कि मेडिकल कॉलेज की स्थापना से इलाज और चिकित्सा शिक्षा के क्षेत्र में नया अध्याय शुरू होगा, लेकिन स्वीकृति और अनुबंध के महीनों बाद भी निर्माण कार्य शुरू नहीं हो सका है। राजनीतिक और प्रशासनिक स्तर पर समन्वय के अभाव के चलते भूमिपूजन की प्रक्रिया आगे नहीं बढ़ सकी है, जिसका सीधा असर निर्माण कार्य पर पड़ रहा है। जिले में मेडिकल कॉलेज केवल एक भवन नहीं बल्कि बेहतर स्वास्थ्य सेवाओं और चिकित्सा शिक्षा का आधार माना जा रहा है। लोगों को उम्मीद है कि इसके शुरू होने से गंभीर मरीजों को इलाज के लिए बड़े शहरों का रुख नहीं करना पड़ेगा।

तीन घोषणाएं, तीनों बार निराशा - मेडिकल कॉलेज के भूमिपूजन को लेकर पहली बार ''23 दिसंबर 2025'' की तारीख तय की गई थी। प्रदेश के अन्य मेडिकल कॉलेजों के साथ इसका वर्चुअल शुभारंभ होना प्रस्तावित था। जिला प्रशासन ने तैयारियां पूरी कर ली थीं और कार्यक्रम की जानकारी भी सार्वजनिक कर दी थी, लेकिन एन मौके पर कार्यक्रम टाल दिया गया।

इसके बाद ''27 दिसंबर'' को फिर तैयारियां शुरू हुईं, मगर यह आयोजन भी नहीं हो पाया। तीसरी बार ''23 जनवरी'' की तारीख घोषित की गई और प्रशासन ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर सूचना भी दी, लेकिन कार्यक्रम से दो दिन पहले इसे भी स्थगित कर दिया गया। लगातार तीन बार कार्यक्रम निरस्त होने से लोगों में सवाल उठने लगे हैं।

जमीन से लेकर अनुबंध तक सब तैयार

परियोजना के लिए आवश्यक औपचारिकताएं पहले ही पूरी की जा चुकी हैं। पीपीपी मॉडल पर बनने वाले मेडिकल कॉलेज के लिए विवेकानंद बोधी नॉलेज फाउंडेशन की रुचि कपूर को ''24 अगस्त 2025'' को मात्र एक रुपए के प्रतीकात्मक मूल्य पर ''25 एकड़'' भूमि उपलब्ध कराई गई थी। निवेशक समूह और शासन के बीच अनुबंध पत्रों का आदान-प्रदान भी हो चुका है। इसके बावजूद निर्माण की शुरुआत नहीं होना जिलेवासियों की चिंता का विषय बना है।

पवई में नशा मुक्ति सप्ताह का सफल आयोजन

नवभारत न्यूज

पन्ना, 27 जून। सशक्त और स्वस्थ समाज के निर्माण के लिए नशे जैसी कुरीतियों को जड़ से खत्म करना बेहद जरूरी है। भारतीय संस्कृति हमें आत्म-संयम और सदाचार का संदेश देती है।

सच्चा आनंद और शक्ति किसी नशे में नहीं, बल्कि एक स्वस्थ शरीर, निर्मल मन और अच्छे संस्कारों में है। यह प्रेरक विचार ब्रह्माकुमारी सेवा केंद्र की बहनों द्वारा अंतरराष्ट्रीय नशा निवारण दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित कार्यक्रम के दौरान व्यक्त किए गए। पन्ना जिले में 17 जून से 26 जून तक चलाए गए इस विशेष नशा मुक्ति सप्ताह का समापन पवई के प्रसिद्ध श्री जगन्नाथ स्वामी जी के मंदिर प्रांगण में भव्य रूप से हुआ।

यह अभियान नशा मुक्त भारत अभियान, विकसित भारत की पहचान टीम के संयुक्त तत्वावधान में पूरे जिले में गरिमापूर्ण तरीके से चलाया गया। इस अभियान के तहत टीम ने पन्ना जिले के विभिन्न क्षेत्रों में जाकर लोगों को जागरूक किया। नशा मुक्ति सप्ताह के दौरान जिले के कई प्रमुख स्थानों पर कार्यक्रमों का आयोजन किया गया, जिसमें जिला पंचायत सभागार पन्ना, जिला जेल पन्ना, पन्ना बस स्टैंड, ग्राम मुराछ और अंत में पवई का जगन्नाथ स्वामी मंदिर प्रांगण शामिल रहा। ब्रह्माकुमारी बहनों ने बेहद सुंदर और सजीव चित्रों के माध्यम से उपस्थित जनसमुदाय को नशे से दूर रहने के बेहतरीन टिप्स दिए। उन्होंने भावुक करते हुए समझाया कि आज नशे की लत के कारण मनुष्य का जीवन एक दलदल और कीचड़ में फंसता जा रहा है, जिसके चलते वह न तो खुद पर ध्यान दे पा रहा है और न ही अपने परिवार पर। उन्होंने सभी से सकारात्मक जीवनशैली अपनाने और एक स्वस्थ समाज के निर्माण में भागीदार बनने की अपील की। कार्यक्रम के समापन के अवसर पर उपस्थित सभी प्रबुद्ध जनों और आम नागरिकों ने एक सुर में समाज को नशा मुक्त बनाने के लिए अपने-अपने विचार रखे। कार्यक्रम के अंत में सभी ने मिलकर एक स्वस्थ, जागरूक और नशा मुक्त समाज के निर्माण का कड़ा संकल्प लिया और सामूहिक प्रतिज्ञा की।

रामजानकी मंदिर में दुर्लभ पांडुलिपियों का संग्रह मिला

नवभारत न्यूज

पन्ना, 27 जून। भारत सरकार के ज्ञान भारतम कार्यक्रम के अंतर्गत पन्ना कलेक्टर ऊषा परमार द्वारा गठित समिति के सदस्यों ने विशेष प्रयास कर पन्ना के श्री रामजानकी मंदिर की बंद अलमारियों से कई प्राचीन और दुर्लभ हस्तलिखित पांडुलिपियां बरामद की हैं।

नमी के कारण ये ग्रंथ क्षत-विक्षत स्थिति में थे, जिन्हें बेहद सावधानी से निकालकर मंदिर कार्यालय लाया गया। मंदिर के मुसद्दी कुंजबिहारी शर्मा के अनुसार, ये सभी बहुमूल्य ग्रंथ पन्ना महारानी द्वारा मंदिर के पुस्तकालय के लिए दान किए गए थे, लेकिन सही रख-रखाव न होने से इनकी स्थिति खराब हो गई थी। इस खोज में संस्कृत में लिखी प्राचीन पांडुलिपियों के तहत विश्व के सबसे बड़े महाकाव्य महाभारत के अलग-अलग भाग मिले हैं। इनमें मुख्य रूप से भीष्म पर्व मिला है, जिसमें युद्ध के नियम, सेनाओं का वर्णन, धृतराष्ट्र-संजय संवाद, जम्बूद्वीप का वर्णन और अर्जुन को दिया गया गीता का उपदेश सम्मिलित है।

इस संग्रह में वेद व्यास जी द्वारा रचित सबसे बड़ा पुराण स्कंद पुराण भी मिला है, जिसमें तीर्थों की महिमा, नदियों के उद्गम की कथाएं, व्रत माहात्म्य और प्राचीन इतिहास की ललित प्रस्तुति है। साथ ही, महाकवि केशवदास द्वारा सन 1591 में ओरछा दरबार में रचित प्रसिद्ध ग्रंथ रसिक प्रिया की पांडुलिपि मिली है, जिसमें राधा-कृष्ण के प्रेम प्रसंगों के माध्यम से व्याकरण के रसों और ओरछा राजपरिवार का वर्णन किया गया है। अन्य महत्वपूर्ण ग्रंथों में रीतिकाल के कवि सेनापति कृत ऋतुवर्णन, हीरों की पहचान से संबंधित रत्न परीक्षा, राजा भर्तृहरि द्वारा रचित वैराग्य शतक और रीवा के महाराज द्वारा बघेली भाषा में लिखा गया एक ग्रंथ शामिल है, जो उन्होंने पन्ना युवराज राघवेंद्र सिंह जू को भेजा था।

पन्ना के हीरे को 8 माह पहले मिला जीआई टैग

नवभारत न्यूज

पन्ना, 27 जून। बेशकीमती रत्न हीरों के लिए विश्व स्तर पर पहचान रखने वाले पन्ना जिले को जीआई टैग देने की घोषणा हुए 8 माह से अधिक समय बीत चुका है, लेकिन अभी तक इसका आधिकारिक प्रमाण-पत्र जारी नहीं हो पाया है। 14 नवंबर 2025 को हुई इस घोषणा के बाद जिले में उत्साह का माहौल था, लेकिन अब भी हीरा उद्योग से जुड़े लोग अंतिम दस्तावेज का इंतजार कर रहे हैं।

पन्ना की खदानों से निकलने वाले हीरे अपनी विशिष्ट गुणवत्ता के कारण देश-विदेश में अलग पहचान रखते हैं। यहां मुख्य रूप से तीन प्रकार के हीरे पाए जाते हैं- जेम क्वालिटी (सफेद हीरा), ऑफ कलर (हल्के मैलेपन वाले हीरे) और इंडस्ट्रियल क्वालिटी (कोका-कोला रंग के हीरे)। इनकी गुणवत्ता का निर्धारण हीरा कार्यालय के विशेषज्ञ पारखियों द्वारा चमक, संरचना और पारदर्शिता के आधार पर किया जाता है।

विशेषज्ञों के अनुसार पन्ना के हीरों में एक खास प्राकृतिक गुण पाया जाता है, जिसे ग्रीन टिंट कहा जाता है। यह हल्का हरापन समय के साथ और गहरा होकर हीरे को विशिष्ट बनाता है। इसके अलावा इन हीरों में स्पष्ट कार्बन लाइन संरचना देखी जाती है, जो हीरे की कटिंग और डिजाइनिंग में उपयोगी साबित होती है।

हीरे की कटिंग, पॉलिशिंग और ज्वेलरी निर्माण में बढ़ेंगे रोजगार के अवसर

इससे निर्यात की संभावनाएं मजबूत होंगी और स्थानीय मजदूरों, खदान श्रमिकों एवं व्यापारियों की आय में भी वृद्धि होगी। साथ ही कटिंग, पॉलिशिंग और ज्वेलरी निर्माण से जुड़े उद्योगों को भी नई गति मिलेगी। 8 माह बीत जाने के बाद भी प्रमाणपत्र जारी नहीं होने से हीरा उद्योग से जुड़े लोग इंतजार में हैं। बताया गया कि जैसे ही जीआई टैग का औपचारिक प्रमाणपत्र जारी होगा, पन्ना की डायमंड सिटी पहचान और अधिक मजबूत हो जाएगी और यह वैश्विक स्तर पर एक प्रमाणित ब्रांड के रूप में उभरेगा।

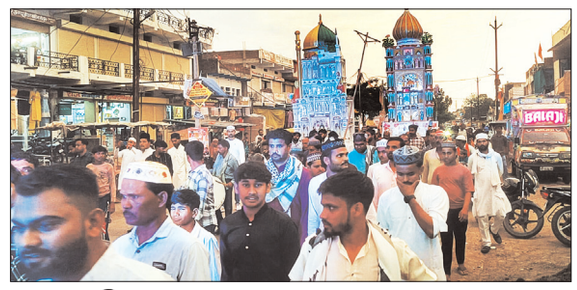

अकीदत के साथ मनाया गया मातमी पर्व मोहर्रम

शान से निकले भव्य ताजिए

नवभारत न्यूज

अमानगंज, 27 जून। नगर अमानगंज में मातमी पर्व मुहर्रम बेहद अकीदत, शांति और उत्साह के साथ मनाया गया। इस अवसर पर नगर के विभिन्न मोहल्लों से बेहद खूबसूरत और भव्य ताजिए निकाले गए, जिससे कर्बला के शहीदों की याद में पूरा नगर या हुसैन के नारों और सदाओं से गूंज उठा।

मुहर्रम की इस विशेष तारीख पर मुस्लिम समुदाय के लोगों ने कर्बला के मैदान में इमाम हुसैन और उनके साथियों द्वारा दिए गए सर्वोच्च बलिदान को याद किया। नगर के प्रमुख मार्गों से जब ताजिए का जुलूस गुजरा, तो अकीदतमंदों का हुजूम उमड़ पड़ा। जुलूस में शामिल लोग ढोल-ताशों की मातमी धुनों पर मातम मनाते और मर्सिया पढ़ते हुए चल रहे थे। इस दौरान कई स्थानों पर युवाओं ने पारंपरिक अखाड़े के हैरतअंगेज करतब और लाठी-डंडे चलाकर अपनी कला का शानदार प्रदर्शन भी किया। अमानगंज में हमेशा की तरह इस बार भी मुहर्रम के त्योहार पर कौमी एकता की अनूठी मिसाल देखने को मिली। हिंदू और मुस्लिम दोनों ही समुदायों के लोगों ने मिलकर जुलूस का आत्मीय स्वागत किया। सद्भाव के इस माहौल में जगह-जगह पर छबील लगाई गई, जहाँ राहगीरों और जुलूस में शामिल लोगों को ठंडा पानी, शरबत और तबर्रुक बांटा गया। जुलूस के दौरान सुरक्षा और शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए स्थानीय प्रशासन और पुलिस बल पूरी तरह मुस्तैद नजर आया। नगर के मुख्य चौराहों और संवेदनशील इलाकों में पुलिस के पुख्ता इंतजाम किए गए थे, जहाँ थाना प्रभारी रवि सिंह जादोन सहित प्रशासनिक अधिकारियों ने खुद मार्च कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। नगर के प्रबुद्ध नागरिकों और शांति समिति के सदस्यों के सहयोग से पूरा पर्व बेहद शांतिपूर्ण और सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ। देर शाम सभी ताजिए स्थानीय कर्बला मैदान पहुंचे, जहां रस्मों के मुताबिक उन्हें सुपुर्द-ए-खाक किया गया।

विधायक ने सलेहा क्षेत्र में किया सघन जनसंपर्क जनचौपाल लगाकर सुनीं जनसमस्याएं

नवभारत न्यूज

सलेहा, 27 जून। गुनौर विधानसभा क्षेत्र के विधायक राजेश वर्मा ने सलेहा नगर सहित आसपास की स्थानीय पंचायतों का दौरा कर सघन जनसंपर्क किया। इस दौरान उन्होंने केंद्र व राज्य सरकार की कल्याणकारी योजनाओं के हितग्राहियों से सीधा संवाद किया और ग्रामीणों की मूलभूत समस्याओं से अवगत होकर उनके त्वरित निराकरण के निर्देश दिए।

जनसंपर्क के दौरान विधायक राजेश वर्मा ने प्रधानमंत्री आवास योजना, संबल योजना और उज्ज्वला योजना जैसी प्रमुख योजनाओं के लाभार्थियों के घर-घर जाकर मुलाकात की। उन्होंने सरकार की जनकल्याणकारी नीतियों पर विस्तार से चर्चा की। इसके पश्चात उन्होंने ग्राम पंचायत सलेहा में स्थित हाट बाजार का औचक निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया।

नीम के पेड़ के नीचे सजी चौपाल, पेयजल संकट दूर करने के निर्देश - इसके बाद विधायक का काफ्लिा आदिवासी बहुल ग्राम पंचायत कुलगवां-मडैयन के मडैयन गांव पहुंचा। यहां एक नीम के पेड़ के नीचे पारंपरिक रूप से जन चौपाल का आयोजन किया गया। चौपाल में उपस्थित महिलाओं ने विधायक के समक्ष पेयजल की गंभीर समस्या रखते हुए बताया कि क्षेत्र में पानी की टंकी का निर्माण कार्य अटका हुआ है। समस्या को गंभीरता से लेते हुए विधायक ने मौके पर ही सरपंच कमलेश यादव को निर्देशित किया कि तत्काल शासकीय बोर कराया जाए और उसमें मोटर डलवाकर ग्रामीणों के लिए पेयजल आपूर्ति सुनिश्चित की जाए। साथ ही उन्होंने अधूरे पड़े दिवाला परिसर के सौंदर्यीकरण कार्य को भी जल्द पूरा कराने के निर्देश दिए।

बिल्हा-कंगाली में उठी सड़क और पुलिया की मांग - जनसंवाद की अगली कड़ी में विधायक बिल्हा-कंगाली पहुंचे। यहां ग्रामीण राकेश यादव, हेतराम आदिवासी सहित अन्य ग्रामीणों ने मुख्य मार्ग से जुड़ाव न होने की पीड़ा व्यक्त की। ग्रामीणों ने बताया कि उनका गांव मुख्य सड़क से लगभग 4 से 5 किलोमीटर दूर है। यहां सड़क बेहद ऊबड़-खाबड़ है और नदी-नालों पर पुलिया न होने के कारण बारिश के दिनों में आवागमन पूरी तरह ठप हो जाता है। इसके अलावा ग्रामीणों ने स्थानीय विद्यालय भवन की बाउंड्रीवॉल निर्माण की भी मांग की। इन सभी जनसमस्याओं पर विधायक ने संबंधित पंचायत सचिव और सरपंच को तत्काल आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए।

मोहर्रम पर अकीदत का सैलाब, गमगीन माहौल में निकले ताजिए

नवभारत न्यूज

पवई 27 जून। नगर में मोहर्रम का पर्व शुक्रवार को पूरे धार्मिक श्रद्धा, अकीदत और गमगीन माहौल में मनाया गया। दिनभर विभिन्न धार्मिक रस्मों के बाद शाम होने के पश्चात ही नगर के अलग-अलग मोहल्लों से आकर्षक ताजिए जुलूस के रूप में निकाले गए।

जुलूस में बड़ी संख्या में मुस्लिम समाज के लोग शामिल हुए और करबला के शहीद हजरत इमाम हुसैन व उनके 72 साथियों की शहादत को याद कर खिराज-ए-अकीदत पेश की।ताजियों का जुलूस नगर के प्रमुख मार्गों से गुजरते हुए निर्धारित स्थल तक पहुंचा। पूरे मार्ग में या हुसैन की सदाएं गूंजती रहीं। जगह-जगह नागरिकों ने ताजियों का स्वागत किया । धार्मिक विद्वानों ने बताया कि मोहर्रम अन्याय के विरुद्ध संघर्ष, सत्य, इंसानियत और कुर्बानी का संदेश देता है। देर रात तक ताजियों का जुलूस परंपरागत मार्गों से गुजरता रहा, जिसे देखने बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे।

प्रशासन रहा मुस्तैद - चप्पे-चप्पे पर रही पुलिस की नजर - मोहर्रम पर्व को लेकर प्रशासन पूरी तरह सतर्क रहा। पवई थाना पुलिस ने संवेदनशील स्थानों पर सुरक्षा के विशेष इंतजाम किए। जुलूस के दौरान पुलिस बल लगातार तैनात रहा तथा अधिकारियों ने व्यवस्थाओं का जायजा लिया। प्रशासन और आमजन के सहयोग से पूरा आयोजन शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ।

मारपीट करने वाले आरोपी को एक वर्ष का कारावास व जुर्माना

पन्ना, 27 जून। खेत की बुवाई करने को लेकर हुए विवाद में एक व्यक्ति पर लाठी से जानलेवा हमला करने वाले आरोपी रामबहोरी को न्यायालय ने एक वर्ष के सश्रम कारावास और एक हजार रुपये के अर्थदंड की सजा सुनाई है। जिला अभियोजन कार्यालय के सहायक मीडिया प्रभारी रोहित गुप्ता के अनुसार यह पूरा मामला पन्ना जिले के गुनौर थाना क्षेत्र का है। घटना के संबंध में बताया गया है कि फरियादी बुद्धू 3 जुलाई 2024 की सुबह अपने ट्रैक्टर से छिरहा हार स्थित खेत की बुवाई कर रहा था। इसी दौरान आरोपी रामबहोरी हाथ में डंडा लेकर वहां पहुंचा और जमीन को अपनी बताते हुए काम रोकने को कहा। जब फरियादी ने इसका विरोध किया, तो आरोपी गाली-गलौज पर उतारू हो गया।

राजस्व की बढ़ती शिकायतों से आखिर जनता को राहत कब?,बंटवारा, सीमांकन, तरमीम बनी चुनौती

नवभारत न्यूज

पन्ना, 27 जून। शिकायतों के त्वरित व मौके पर निराकरण के लिये कई अभियान चलाये गये और रिकार्डों के अनुसार भारी संख्या में शिकायतों का निराकरण भी कर दिया गया। इसके बाद भी जनता की शिकायतों में कोई कमी नहीं आई।

शिकायतों की संख्या बढ़ती ही जा रही है। उसमें भी जब राजस्व विभाग की शिकायतें सबसे अधिक पहुंचती हैं तो लगता है कि निराकरण संतुष्टि के आधार पर नहीं हो पाया। जबकि जमीन पर जो समस्यायें थीं वे तो यथावत बनी हुई हैं।

जनसुनवाई में दिखती है तस्वीरें - जनसुनवाई में जब सबसे अधिक शिकायतें राजस्व विभाग की आती हैं तो इस विभाग की असली तस्वीर अपने आप समझ में आ जाती है। बंटवारा, नामान्तरण, नक्शा तरमीम, सीमांकन, रास्ते का विवाद जैसी शिकायतों की भरमार हो रही है। जबकि पूर्व में महीनों चलाये गये अभियान में इसी तरह की समस्याओं के निराकरण के लिये आदेश निर्देश हुये थे। जनता को राहत मिले, विवादों की स्थितियां पैदा न हों, जनता की परेशानियां दूर हों, मौके पर ही निराकरण कर दिया जाय। इसके लिये गांव-गांव तक शिविरों का आयोजन हुआ। आवेदन प्राप्त किये गये, शिकायतें प्राप्त की गई, पूर्व में दिये गये आवेदनों का भी निराकरण कर दिया गया। सभी शिकायतें व आवेदन निराकरण में शून्य स्थिति में पहुंचा दिये गये। फिर नामान्तरण, बंटवारा, सीमांकन, नक्शा तरमीम व आम रास्ते में अतिक्रमण की शिकायतें लेकर लोग जन सुनवाई में चले आ रहे हैं। शिकायतों की संख्या में कमी ही नहीं हो रही है। कई सालों से सीएम हेल्पलाइन, मंगलवार को जन सुनवाई, उसके अलावा भी फुटकर शिकायतें जिला मुख्यालय तक पहुंचती ही रहती हैं। इसे क्या माना जाय और कैसे समझा जाय कि प्रशासन जनता की समस्याओं का समाधान संतोषजनक तरीके से कर पा रहा है अथवा केवल डाक मार्किंग तक ही ही सब कुछ सीमित हो जाता है।

दफ्तरों में नहीं मिलते अधिकारी, लोगों में बढ़ रही नाराजगी - कलेक्टेट और तहसील स्तर पर अधिकारियों के कार्यालयों में आम लोगों से मिलने और समस्याओं के निराकरण का समय निर्धारित है, लेकिन अधिकारी समय पर उपलब्ध नहीं रहते।

योजनाओं के क्रियान्वयन बैठकों और अन्य प्रशासनिक गतिविधियों में व्यस्तता के कारण राजस्व मामलों पर अपेक्षित ध्यान नहीं दिया जा रहा। हजारों भू-स्वामी और किसान नामांतरण बंटवारे सीमांकन और अभिलेख सुधार के मामलों के निराकरण का इंतजार कर रहे हैं।

दूसरे कामों में उलझे अफसर, जनता की समस्याएं पीछे

समीक्षा रिपोर्ट यह भी बताती है कि आम लोगों की समस्याओं का निराकरण राजस्व अधिकारियों की प्राथमिकता में शामिल नहीं दिख रहा है। राजस्व अधिकारी जनता से जुड़े मामलों के बजाय अन्य प्रशासनिक कार्यों और बैठकों में अधिक व्यस्त रहते हैं। जबकि राजस्व न्यायालयों में प्रकरणों के निराकरण, जनसमस्याओं के समाधान और योजनाओं की निगरानी के लिए स्पष्ट शेड्यूल निर्धारित है। नामांतरण के 2817, सीमांकन के 1381 मामले लंबित जिले में नामांतरण के कुल 3,568 प्रकरण दर्ज हुए, जिनमें 751 का निराकरण हो सका, 2,817 मामले लंबित हैं। बंटवारे के 531 मामलों में सिर्फ 122 का निराकरण हुआ, 409 मामले लंबित हैं। सीमांकन के 1,716 मामलों में केवल 335 का निराकरण हुआ, 1,381 मामले लंबित हैं।

शिकायतें कंप्यूटर में कैद और उसके बाद कार्रवाई कुछ नहीं

आवेदक जब शिकायतें लेकर जिला मुख्यालय पर अफसरों के समीप पहुंचता है तो उन्हें इस तरह से लिया जाता है और आश्वासन दे दिया जाता है जैसे समस्या का समाधान कुछ ही दिन में हो जायेगा। कुछ शिकायतों में यदि शिकायतकर्ता के सामने संबंधित अधिकारियों को फोन लगाकर कार्रवाई करने के लिये निर्देशित कर दिया गया तो सामने वाले को लगता है जैसे उसका समाधान ही हो गया। इसलिये वह भी फूला नहीं समाता। कई दिनों तक डाक बस्तों में बंधकर आलमारियों में ही पड़ी रहती है। हां इतना जरूर हो जाता है कि शिकायतों को प्राप्त करने के बाद उन्हें मार्क कर दिया जाता है, प्रभारी अधिकारियों को डाक फाइलों के दर्शन करवा दिये जाते हैं। दो चार दिनों तक शिकायतों की डाक प्रभारियों के ही कक्ष में विश्राम करती रहती है। इसके बाद जब वह पंजियों में चढने के लिये पहुंचती है तो वहां भी दो चार दिन या उससे भी अधिक समय लग जाता है। इस बीच शिकायतकर्ता पता करता रहता है कि जहां उसकी शिकायत पहुंचनी चाहिये वहां पहुंची या नहीं।